CENTER FOR TEACHER EDUCATION

Central Institute Of Higher Tibetan Studies

Sarnath,Varanasi

विषय- दिनांक 19/06/2020 को सीटीई द्वारा आयोजित एकदिवसीय वेबिनार "वर्तमान भारत में विश्वविद्यालयी शिक्षा: उपलब्धियां, विफलताएं, चुनौतियां" का प्रतिवेदन।

विश्वविद्यालय शिक्षा को कुछ हद तक सफल माना जा सकता है लेकिन सुफल नहीं। हमने ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति तो की है लेकिन उदारता, सहानुभूति और मनुष्य बनने के मामले में काफी पीछे छूट गए।केवल विज्ञान से मनुष्य हिंसक हो जायेगा।हमें ज्ञान,समाधि,प्रज्ञा और संस्कार को शिक्षा में जोड़ने की जरूरत है।

MHRD मंत्रालय के PMMMNMTT स्कीम के तहत, CENTER FOR TEACHER EDUCATION,के.उ.ति.शि.सं.सारनाथ, वाराणसी द्वारा 19/06/2020 को आयोजित एकदिवसीय वेबिनार "वर्तमान भारत में विश्वविद्यालयी शिक्षा: उपलब्धियां, विफलताएं, चुनौतियां" का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए-

1- प्रो.गेशे नवांग समतेन(पद्मश्री)- कुलपति,के.उ.ति.शि.सं.सारनाथ, वाराणसी
2- प्रो.के पी पाण्डेय- पूर्व कुलपति,म.गां.का.वि.वाराणसी
3- डॉ. पृथ्वीश नाग- पूर्व कुलपति,म.गां.का.वि.वाराणसी
4- प्रो.कल्पलता पाण्डेय- कुलपति,ज.चं.वि.बलिया
5- प्रो.श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी- कुलपति,इं.गां.रा.अ.वि.अमरकंटक

प्रस्तुत कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में वर्तमान शिक्षा प्रणाली के प्रति समझ और स्किल को विकसित करना था ताकि वर्तमान शिक्षा को सुफल बनाया जा सके। प्रस्तुत कार्यक्रम में देश के अलग-अलग विश्वविद्यालयों के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। लगभग 2500 से ऊपर लोगों ने आन-लाइन आभासी मंच के माध्यम से कार्यक्रम को देखा और सुना।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो.गेशे नवांग समतेन(पद्मश्री) ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सीटीई के निदेशक डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का आयोजन तथा संचालन सीटीई विभाग के डॉ सुशील कुमार सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी) ने किया। प्रस्तुत कार्यक्रम की खबर कई अखबारों ने प्रकाशित किया।